चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... दैनिक भास्कर .....

दिनांक 23.7.2019 पृष्ठ सं. ..... 2 ..... कॉलम ..... 1-3 .....

देश का पहला सोलर आधारित ग्रीन हाउस 12 करोड़ रुपए से एचएयू में हो रहा तैयार

500 किलोवाट बिजली उत्पादन होगा, 7500 वर्गमीटर क्षेत्र में होगा सोलर ग्रीन हाउस

वैभव शर्मा | हिसार

शहर के चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में 12 करोड़ रुपए देश का पहला सोलर आधारित हाईटेक ग्रीनहाउस सिस्टम तैयार हो रहा है। 7500 वर्गमीटर क्षेत्र तैयार हो रहे ग्रीन हाउस की छत पर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल लगाकर सूर्य की किरणों से 500 किलोवाट बिजली पैदा हो सकेगी, जिसे प्लांट अपनी ऊर्जा की जरूरतों के लिए पूरा करेगा, अगर अतिरिक्त बिजली रहती है तो उसे ग्रिड में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। बिजली पैदा होने के बाद ग्रीन हाउस में सिंचाई से लेकर तापमान मेंटेन करने का काम इससे ही किया जाएगा। इसका आकार अभी तक एचएयू या प्रदेश के दूसरे स्थानों पर लगे ग्रीन हाउस से कई गुना बड़ा है। अभी तक यह तकनीक नीदरलैंड, यूएसए जैसे कुछ ही देशों में सीमित है। इस टेक्नोलॉजी के आने के बाद से वैज्ञानिकों को अलग-अलग तापमान, रोशनी, पानी की मात्रा आदि के हिसाब से क्रॉप पर रिसर्च करने में मदद मिलेगी। इसके लिए एचएयू और राजीव गांव कृषि विकास योजना के तहत फंडिंग की गई है।

ये होंगी खासियतें

- इस ग्रीन हाउस में बागवानी, सब्जियां, फॉरेस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, वर्टिकल फार्मिंग, हाइड्रोफोनिक आदि सेक्टर में रिसर्च करने में मदद मिलेगी।
- सभी प्रकार के कंपोनेंट का एन्वायर्नमेंट कंट्रोल पूरी तरह से ऑटोमेटिक होगा।
- यह प्रोजेक्ट अपनी ऊर्जा की जरूरत को खुद पूरा करेगा। अगर फिर भी ऊर्जा बच जाती है तो उसे ग्रिड में ट्रांसफर किया जा सकता है।
- रेन वाटर हार्वेस्टिंग तकनीक द्वारा जल संचय कर फसलों की पानी की जरूरत को पूरा किया जाएगा।

देश में पहला सोलर आधारित हाइटेक ग्रीन हाउस तैयार किया जा रहा है। जो ऑटोमेटिक तरीके से अपना काम करेगा और रिसर्च को अलग स्तर तक ले जाने में मदद करेगा। -प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक जागरण....

दिनांक 23.7.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 3-6

मुहिम विजन से बना मिशन, करोड़ों लीटर बचाने में लगी एचएयू

ड्रिप और फव्वारा सिस्टम लगा पानी बचाती है एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने जल संरक्षण के विजन को मिशन का रूप दे दिया है। विश्वविद्यालय के खेतों में ड्रिप, फव्वारा सिस्टम और भूमिगत पाइप लाइन से सिंचाई होती है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रदेश में अपने केंद्रों सहित 15 तालाब खुदवाए हैं। ताकि पानी की बूंद-बूंद को सहेजा जा सके। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि पानी की एक-एक बूंद के समुचित प्रबंधन व उपयोग के लिए प्रतिबद्ध हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने जल संरक्षण को लेकर विश्वविद्यालय में आमूलचूल परिवर्तन किए हैं। पीने के पानी को व्यर्थ होने से बचाने के लिए विश्वविद्यालय दैनिक जागरण के आधा गिलास पानी अभियान से भी जुड़ा हुआ है। वह अभियान पीने के पानी को बचाने के साथ-साथ लोगों को आने वाले जल संकट की तरफ ध्यान आकर्षित करता है। सोमवार को फ्लेचर भवन के सामने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण की प्रतिज्ञा भी ली गई।

जल संचयन और रिसाइलिंग के लिए होगा तालाबों का इस्तेमाल : कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि पानी व्यर्थ न हो और उसका समुचित उपयोग हो सके, इसके लिए विश्वविद्यालय व इसके बाहरी केन्द्रों पर 15 जल संरक्षण तालाब बनाए गए हैं। विश्वविद्यालय में जहां खुले तौर पर पानी दिया जाता था, अब वहां ड्रिप, फव्वारा सिस्टम व भूमिगत पाइप-लाइन के द्वारा सिंचाई की जाती है। भू-जल को रिचार्ज करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में बरसात के पानी को कैंपस स्कूल के सामने नए खोदे गए तालाब में जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) व रिसाइकिलिंग किया जाता है, बाकी तालाबों को ऐसे ही डेवल्प किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के विस्तार निदेशालय के अंतर्गत परिसर में व बाहरी केन्द्रों पर समुचित जल प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान व प्रशिक्षण चलाए हुए हैं। धान की सीधी बिजाई व भूमि के नीचे पाइप-लाइन के जरिए सिंचाई को बढ़ावा देते हुए जल संरक्षण किया जा रहा है।

स्टाफ को जल संरक्षण पर प्रतिज्ञा दिलाते विश्वविद्यालय के कुलपति। • जागरण

जल संरक्षण की बात करते हैं, लेकिन बचाना भूल जाते हैं लोग

कुलपति ने विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक स्टाफ को जल संरक्षण पर जागरूक किया। उन्होंने कहा जल हमारे जीवन का मूल है और इसका संरक्षण हमारा प्रथम दायित्व है। जल ही जीवन है, लेकिन जब इसे संरक्षित करने की बात आती है तब हम भूल जाते हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में जल संचयन करने के बजाय इसे व्यर्थ करते हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डा. बीआर कंबोज, ओएसडी डा. एमके गर्ग, डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने इसमें उपस्थित रहकर जन शक्ति से जल शक्ति पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 22.2.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-4

एचएयू में जल शक्ति अभियान, पानी बचाने का लिया संकल्प

वीसी बोले-विवि ने जल संरक्षण के लिए 6 बड़े परिवर्तन किए

पानी की एक-एक बूंद के समुचित प्रबंधन पर दिया जा रहा विशेष ध्यान

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लेचर भवन के सामने एचएयू के वीसी प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण की प्रतिज्ञा ली गई। उन्होंने बताया कि पानी की एक-एक बूंद के समुचित प्रबंधन और उपयोग के लिए प्रतिबद्ध एचएयू ने जल संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय में परिवर्तन किए गए। इस दौरान कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज सहित डीन, डायरेक्टर आदि उपस्थित रहे।

एचएयू में जलशक्ति अभियान के तहत जल संरक्षण की शपथ दिलाते वीसी प्रो. केपी सिंह।

जल संरक्षण के लिए यह प्रबंध

» पानी व्यर्थ न हो इसके लिए विवि व इसके बाहरी केंद्रों पर 15 जल संरक्षण तालाब बनाए हैं।
» विवि में जहां खुले तौर पर पानी दिया जाता था अब वहां ड्रिप, फव्वारा सिस्टम व भूमिगत पाइप-लाइन के द्वारा सिचाई की जाती है।
» भू जल को रिचार्ज करने के लिए विवि परिसर में बरसात के पानी को कैंपस स्कूल के सामने नए खोदे गए तालाब में जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) व रिसाइकलिंग किया जाता है।
» पीने का पानी हो या सिंचाई का पानी हर व्यक्ति को इसका प्रयोग उचित मात्रा में करना चाहिए।
» एचएयू के विस्तार निदेशालय के तहत परिसर में व बाहरी केन्द्रों पर समुचित जल प्रबंधन के लिए जागरूकता अभियान व प्रशिक्षण चलाए हुए हैं।
» धान की सीधी बिजाई, पाइप-लाइन से सिंचाई को बढ़ावा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरि भूमि......

दिनांक 23.7.2019 पृष्ठ सं. ...12... कॉलम ...5-8...

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दिलाई जल संरक्षण की प्रतिज्ञा

आने वाली पीढ़ियों के लिए जल संरक्षित करें : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के फ्लेचर भवन के सामने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण की प्रतिज्ञा ली गई।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि पानी की एक-एक बूंद के समुचित प्रबंधन व उपयोग के लिए प्रतिबद्ध हकृवि ने जल संरक्षण को लेकर विश्वविद्यालय में आमूलचूल परिवर्तन किए है। पानी व्यर्थ न हो और उसका समुचित उपयोग हो सके इसके लिए विश्वविद्यालय व इसके बाहरी केंद्रों पर 15 जल संरक्षण तालाब बनाए गए है। विश्वविद्यालय में जहां खुले तौर पर पानी दिया जाता था अब वहां ड्रिप, फव्वारा सिस्टम व भूमिगत पाइप-लाइन के द्वारा सिंचाई की जाती है। भूजल को रिचार्ज करने के लिए विश्वविद्यालय परिसर में बरसात के पानी को कैंपस स्कूल के सामने नए खोदे गए तालाब में जल संचयन रेन वाटर हार्वेस्टिंग व रिसाईकलिंग किया जाता है।

आधा गिलास अभियान से जुड़ा है विवि

पीने के पानी को व्यर्थ होने से बचाने के लिए विश्वविद्यालय आधा गिलास अभियान से भी जुड़ा हुआ है। यह अभियान पीने के पानी को बचाने के साथ-साथ लोगों को आने वाले जल संकट की तरफ ध्यान आकर्षित करता है। पीने का पानी हो या सिंचाई का पानी हर व्यक्ति को इसका प्रयोग उचित मात्रा में करना चाहिए। प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के विस्तार निदेशालय के अंतर्गत परिसर में व बाहरी केंद्रों पर समुचित

हिसार। स्टाफ को जल संरक्षण पर प्रतिज्ञा दिलाते कुलपति प्रो.केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

जल प्रबंधन हेतू विभिन्न प्रकार के जागरूकता अभियान व प्रशिक्षण चलाए हुए है। धान की सीधी बिजाई व भूमि के नीचे पाइप-लाइन के जरिए सिचाई को बढ़ावा देते हुए जल संरक्षण किया जा रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों, शिक्षक व गैर शिक्षक स्टाफ को जल संरक्षण पर जागरूक किया। उन्होंने कहा जल हमारे जीवन का मूल है और इसका संरक्षण हमारा प्रथम दायित्व है। जल ही जीवन है परन्तु जब इसे संरक्षित करने की बात आती है तब हम भूल जाते है और रोजमर्रा की जिंदगी में जल संचयन करने के बजाय इसे व्यर्थ करते हैं। यह हमारा मौलिक दायित्व बनता है कि हम जल को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित करे। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. बीआर कंबोज, ओएसडी डॉ. एमके गर्ग, डीन, डायरेक्टर, अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारियों ने इसमें उपस्थित रहकर जन शक्ति से जल शक्ति पर जोर दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......पंजाब केसरी......
दिनांक ..23.7.2019.. पृष्ठ सं. ......५...... कॉलम ....४....

ह.कृ.वि. में जल संरक्षण की शपथ ली

हिसार, 22 जुलाई (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फ्लेचर भवन के सामने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह की अध्यक्षता में जल शक्ति अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण की शपथ ली गई।

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय व इसके बाहरी केन्द्रों पर 15 जल संरक्षण तालाब बनाए गए है। विश्वविद्यालय में जहां खुले तौर पर पानी दिया जाता था, अब वहां ड्रिप, फव्वारा सिस्टम व भूमिगत पाइप-लाइन के द्वारा सिंचाई की जाती है। वहीं जल शक्ति अभियान विश्वविद्यालय के सभी कालेज व विभाग में भी मनाया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति स्टाफ को जल संरक्षण पर प्रतिज्ञा दिलाते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक ट्रिब्यून........
दिनांक 22.7.2019 पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....1-3....

अधिक तापमान में अधिक उत्पादन वाली किस्में विकसित करें : केपी

हिसार, 22 जुलाई (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र का शुभारंभ तथा एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन एवं बिराक ग्रांट फंडिंग स्कीम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में ब्लैक कार्बन एयरोसोल मापन यंत्र स्थापित किया गया है। जिसका आज शुभारंभ हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ केजे रमेश द्वारा किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग और विश्वविद्यालय के संबंध और सुदृढ़ करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने उपस्थित प्रतिभागियों को बताया कि यह यंत्र भारत मौसम विज्ञान विभाग के सौजन्य से स्थापित किया गया है। इस स्वचालित यंत्र से हवा में उपस्थित ब्लैक कार्बन को मापा जा सकेगा जिससे वायु प्रदुषण का कृषि पर प्रभाव का

अध्ययन किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ब्लैक कार्बन ईंधन, लकड़ी व अन्य औद्योगिक इकाइयों व वाहनों के ईंधन से उत्सर्जित कणिकीय पदार्थ जो वायुमंडल के ताप को बढ़ाता है तथा इसका फसलों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि ब्लैक कार्बन का फसलों के साथ-साथ मानव व जीव जंतुओं पर भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ मिलकर सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में ऐसे लैब विकसित की जाएगी जिससे पूरे राज्य के डेटा का विश्लेषण किया जा सकेगा। उन्होंने जलवायु परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सटीक मौसम की जानकारी तथा कृषि सलाह किसानों तक समय पर पंहुचाने पर बल दिया और वैज्ञानिकों को आह्वान किया कि बदलते मौसम के अनुसार फसलों की ऐसी किस्मों को विकसित किया जाए जो अधिक तापमान में भी अधिक उत्पादन दे सकें।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ के जे रमेश ने कहा कि ब्लैक कार्बन वायुमंडल में स्थिर रहने वाला एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है। यह वातावरण के लिए काफी नुकसानदायक होता है। यह जलवायु, हिमनद क्षेत्रों, कृषि पर प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रभाव डालता है। यह बादल निर्माण के साथ-साथ वर्षा को भी प्रभावित करता है। ब्लैक कार्बन के कारण पृथ्वी पर आपतित सूर्य ताप में कमी लाती है। उन्होंने विश्व मौसम विज्ञान संस्थान की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि ब्लैक कार्बन और ओजोन से मानसून की बारिश के वितरण पर भी असर पड़ता है।